02 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सभी के लिए प्रेरणादायी बनें: राजेश नागर

आज समाज

www.aajsamaaj.com

04 सुदेशना का महाविद्यालय में किया स्वागत

नई दिल्ली, पृष्ठ-04, शनिवार, 09 सितंबर 2023

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

विक्रमी संवत 2080, मास-भाद्रपद, कृष्ण पक्ष दशमी, मूल्य, 2.00 रुपए

सुदेशना का महाविद्यालय में किया स्वागत

छात्रा का स्वागत करते हुए।

बल्लभगढ़। डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के उपलक्ष्य में विज्ञानभारती हरियाणा और राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अग्रवाल महाविद्यालय की विज्ञान संकाय की छात्रा सुदेशना कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के प्रधान देवेंद्र कुमार गुप्ता एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता की सद्प्रेरणा से महाविद्यालय के अनेकानेक विद्यार्थियों को महाविद्यालय के अतिरिक्त बाहर भी अन्य प्रतियोगिता में भागीदारिता के अनेकानेक अवसर प्रदान किए जाते हैं। इस उपलब्धि पर उन्होंने कुमारी सुदेशना को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विंग-1 के प्रभारी डॉ संजीव गुप्ता के मार्गदर्शन में कुमारी सुदेशना ने प्रतियोगिता में यह स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय को ऐसे विद्यार्थियों पर नाज है।

प्रतियोगिता ने परंपरा को नवीनता के साथ खूबसूरती से जोड़ा: डॉ. कृष्णकांत

आज समाज नेटवर्क

बल्लभगढ़। पारंपरिक और आधुनिक संचार के अनूठे मिश्रण में, अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के छात्रों ने प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता के निर्देशन में कॉलेज के अंग्रेजी भाषा क्लब और युवा महिला लेखक क्लब द्वारा आयोजित नए भारत के लिए डिजिटल भारत विषय पर एक पत्र लेखन प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह प्रतियोगिता भारतीय डाक विभाग की पहल ढाई आखर के तहत आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हस्तलिखित संचार की कला को संरक्षित करते हुए भारत के डिजिटल परिवर्तन का जश्न मनाना था। डिजिटलीकरण में वृद्धि के साथ, हस्तलिखित पत्र अभिव्यक्ति का एक

प्रतियोगिता में भाग लेते हुए विद्यार्थी। आज समाज

दुर्लभ रूप बन गए हैं। हालांकि, आयोजक टीम ने उनके स्थायी आकर्षण को पहचाना और छात्रों को भारत की प्रगति पर डिजिटल प्रौद्योगिकियों के प्रभाव को प्रतिबिंबित करने के लिए प्रोत्साहित करके पुराने और नए को जोड़ने का फैसला किया। प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रतिक्रिया देखी गई, जिसमें 25 प्रतिभागियों ने सारगर्भित पत्र प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने न केवल प्रतियोगिता के विषय को अपनाया बल्कि डिजिटल इंडिया के व्यापक विषय के भीतर कई विषयों को संबोधित करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया। छात्रों ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल पहल की परिवर्तनकारी शक्ति पर विचार किया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत ने कहा कि इस प्रतियोगिता ने परंपरा को नवीनता के साथ खूबसूरती से जोड़ा है। इसने हमें याद दिलाया कि जब हम डिजिटल इंडिया को अपनाते हैं, तो हमें संचार के सार को कभी नहीं भूलना चाहिए। कमल टंडन ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. गीता ने कहा कि प्रतियोगिता ने समय पर याद दिलाया कि प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास के बीच, कुछ परंपराएं संरक्षित करने लायक हैं। पत्र लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को शीर्ष प्रविष्टियों का परिणाम 11 सितम्बर को घोषित किया जाएगा।